

न्यायालय श्रीमारु राजस्व मण्डल म०प्र० गवालियर सर्किल कोर्ट रीवाम०प्र०



पा 201—

R. 2535 - ॥

सोन्हतनय न्यिकूपेश्वा खेती, निवासी ग्राम महेंद्र, तहसीलन्मज्जौली  
जिला-सीधी म०प्र० ..... आवेदक

बनाम

।० कैलसुआ पति राममिलन केवट निवासी महेंद्र, तहसीलन्मज्जौली इंशब्रकस्ति जिला  
सीधी म०प्र०

श्रीमीमारु चौधुरी २०३५ प्रदेशी शोसन  
द्वारा आज दिनांक ०७.०७.१५ के  
प्रस्तुत किया गया।

चौधुरी  
सर्किल कोर्ट रीवा

..... अनावेदकगण

निराननी चिल्द आज्ञा श्री तहसीलदार उप  
तहसील-एवास तहसीलन्मज्जौली जिला सीधीम०प्र०  
बावद प्रकरण क्र० २४/१२/१३आद्या दि.  
२५.४.२०१५ निराननी अन्तर्गत धारा-५०  
म०प्र० भू० राजस्व संहिता १९५६॥

=====

मान्यवर,

निराननी के आधार निम्न हैः-

१। यह कि अधीनस्थ न्यायालय की कार्यवाही व सीमांकन पुष्टि का  
आक्षेत्र विधि एवं प्रक्रिया के विपरीत है।

२। यह कि अनावेदिका क्र० । द्वारा धारा १२९ म०प्र० भू० रा० संहिता के बने  
नियमों के प्रतिकूल दिये गये आवेदन पत्र व जानकारी के आधार पर सीमांकन  
की कथित कार्यवाही, है, जबकि नियम व चतुर्दिंश में काबिजदार व कास्तकार  
हितेती व्यक्ति ऐ तथा उनका नाम व पर्धीकार बनाया जाना चाहिये किन्तु  
विना पर्धीकार बनाये ही आक्षेत्र को उनके पीछे सीमांकन की कार्यवाही  
अवधिक है।

क्र० २५८

(179)

राजस्व मण्डल मध्यप्रदेश ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ-अ

प्रकरण क्रमांक..... R. 2535-ग/14 ..... जिला..... शीघ्र  
 भानी ..... विरुद्ध ..... खंडगढ़आ<sup>2</sup> .....  
 भानी<sup>3</sup>

16-1-19.

1. आवेदक की ओर से श्री..... अभ्याग चतुर्वेदी अधिवक्ता  
 द्वारा यह नाम्ब तहसीलदार तहसील..... मझाली के  
 प्रकरण क्रमांक..... 23/ग-12/2012-13 ..... में पारित आदेश  
 दिनांक..... 25.04.14 ..... के विरुद्ध प्रस्तुत की गयी है। म0प्र0 भू-  
 राजस्व संहिता में दिनांक 25.09.2018 को हुये संशोधन के फलस्वरूप  
 अब नवीन संधोधित संहिता की धारा 50 सहपठित संहिता की धारा 54(ए)  
 के अंतर्गत सुनवाई हेतु प्रकरण कलेक्टर..... शीघ्री के न्यायालय  
 को अंतरित किया जाता है। उभयपक्ष दिनांक ..... 25.03.19 ..... को  
 कलेक्टर..... शीघ्री के न्यायालय में सुनवाई हेतु उपस्थित हो।

  
 सदस्य